दिनांक 03.05.2013 को जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, चतरा की अध्यक्षता में सम्पन्न समाज कल्याण से संबंधित बैठक की कार्यवाही :–

1– उपस्थिति पंजी में संधारित है।

कार्यवाही

2– सर्वप्रथम गत बैठक की कार्यवाही की समीक्षा की गई। समीक्षोपरान्त इस जिलान्तर्गत संचालित आंगनबाड़ी केन्द्रों में सेविका/सहायिका की रिक्ति से संबंधित अद्यतन जानकारी प्राप्त की गई। बाल विकास परियोजना पदाधिकारियों द्वारा रिक्ति की स्थिति निम्नवत बताया गया :–

क्र0	परियोजना का नाम	रिक्ति	
		सेविका	सहायिका
1	चतरा ग्रामीण	00	01
2	सिमरिया	06	03
3	टण्डवा	00	0
4	ईटखोरी	01	0
5	हण्टरगंज	00	03
6	प्रतापपुर	03	03
	कुल–	10	10

निदेश दिया गया कि इस माह के अन्त तक रिक्तियो के विरूद्ध आम सभा के माध्यम से सेविका/सहायिका का चयन कर अनुमोदन से संबंधित प्रस्ताव जिला समाज कल्याण कार्यालय चतरा को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें ताकि रिक्ति शून्य हो।

3– **निरीक्षण/पर्यवेक्षण** :–निरीक्षण प्रतिवेदन के संबंध में समीक्षा के कम में महिला पर्यवेक्षिकाएं द्वारा बताया गया कि फोटोग्राफ संलग्न नही रहने के कारण प्रतिवेदन जमा नही किया जा सका है। निदेश दिया गया कि तीन दिनो के अन्दर निरीक्षण प्रतिवेदन समाज कल्याण कार्यालय में जमा करना सुनिश्चित करें।

बाल विकास परियोजना पदाधिकारियो के निरीक्षण प्रतिवेदन के संबंध में पुछने पर कार्यालय द्वारा बताया गया कि किसी भी बाल विकास परियोजना का निरीक्षण प्रतिवेदन प्राप्त नही होता है।

निदेश दिया गया कि सभी बाल विकास परियोजना पदाधिकारी भी निरीक्षण प्रतिवेदन कार्यालय को हस्तगत कराना सुनिश्चित करें। साथ ही महिला पर्यवेक्षिका तथा बाल विकास परियोजना पदाधिकारी का निरीक्षण प्रतिवेदन की एक प्रति परियोजना स्तर से उप निदेशक, कल्याण, उत्तरी छोटानागपुर प्रमण्डल, हजारीबाग को आयुक्त महोदय के अवलोकनार्थ प्रेषित करने का भी निदेश दिया गया।

4– **मुख्यमंत्री लक्ष्मी लाडली योजना** :–समीक्षा के कम में सभी बाल विकास परियोजना पदाधिकारी एवं महिला पर्यवेक्षिका को बताया गया कि इस योजना के तहत वित्तीय वर्ष 2012–13 में चतरा जिले की स्थिति अच्छी नही थी। सरकार से प्राप्त आवंटन में से काफी राशि प्रत्यार्पित करना पड़ा।

वित्तीय वर्ष 2013–14 में मुख्यमंत्री लक्ष्मी लाडली योजना के तहत अधिक से अधिक लाभुको को लाभान्वित किया जा सके, इसके लिए अभी से ही सभी आंगनबाड़ी सेविकाओं को प्रत्येक माह कम

से कम एक योग्य बच्ची का चयन कर संबंधित बाल विकास परियोजना पदाधिकारी के माध्यम से प्रस्ताव उपलब्ध कराने का निदेश दिया गया।

5— **मुख्यमंत्री कन्यादान योजना** :—समीक्षा के कम में बताया गया कि इस योजना के तहत सुयोग्य लाभुको के आवेदन अभी से ही प्राप्त कर अपने स्तर से छंटनी कर परियोजना में रखा जाए। गत वित्तीय वर्ष 2012—13 मे लक्ष्य के अनुरूप भी उपलब्धि हासिल नही किया जा सका जो खेद का विषय है। सरकार द्वारा गरीबो के कल्याण हेतु इस प्रकार की कई योजनाएं चलाई जा रही है जिसके कियान्वयन की सम्पूर्ण जवाबदेही आपकी है। वित्तीय वर्ष 2012—13 में लाभुको के आवेदन आपके द्वारा मार्च 2013 में स्वीकृति हेतु उपलब्ध कराया गया जिस कारण स्वीकृति करने में काफी कठिनाईयो का सामना करना पड़ा। कम समय में आवश्यक छान—बीन में कमी रहने की संभावना बनी रहती है।

निदेश दिया गया कि इस वित्तीय वर्ष में ससमय आवेदन प्राप्त कर स्वीकृति हेतु प्रस्ताव उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

6— **पोषाहार** :—समीक्षा के कम में कार्यालय द्वारा बताया गया कि पोषाहार की राशि माह फरवरी 2013 तक का सेविकाओ के खाते में हस्तान्तरित किया जा चुका है। माह मार्च 2013 की राशि की निकासी कोषगार से की जा चुकी है। मुखिया प्रमाण—पत्र एवं मासिक हरा प्रपत्र प्राप्त होते ही माह मार्च 2013 की राशि भी हस्तान्तरित कर दिया जाएगा।

सभी बाल विकास परियोजना पदाधिकारी को मुखिया प्रमाण—पत्र तथा मासिक हरा प्रपत्र उपलब्ध कराने का निदेश दिया गया।

7— **कुपोषण** :—इस जिला में संचालित कुपोषण उपचार केन्द्र कमशः चतरा एवं हण्टरगंज में कुपोषित बच्चों की कम संख्या पर चिन्ता व्यक्त की गई। बाल विकास परियोजना पदाधिकारी, चतरा द्वारा बताया गया कि M.T.C चतरा में 15 बेड के विरूद्ध 10 बच्चे एवं M.T.C हण्टरगंज में 05 बेड के विरूद्ध 04 बच्चें चिकित्सारत् है।

पूर्व की भांति पुनः निदेश दिया गया कि प्रत्येक महिला पर्यवेक्षिका माह में कम से कम दो कुपोषित बच्चो को M.T.C भेजना सुनिश्चित करें।

इसके तहत **"जीवन आशा"** नामक कार्यकम चलाया जाना है। "जीवन आशा" में बच्चों का सर्वेक्षण किया जाना है। इससे संबंधित कार्यशाला का आयोजन जिला स्तर पर एवं परियोजना स्तर पर किया जाना है।

निर्णय लिया गया कि जिला स्तर पर जीवन–आशा का कार्यशाला दिनांक 23.05.2013 को सम्पन्न कराया जाएगा। तत्पश्चात सभी परियोजनाओं में भी इस कार्यक्रम से संबंधित कार्यशाला का आयोजन किया जाय ताकि आम जनता को जागरूक किया जा सके।

8– **चलो आंगनबाड़ी केन्द्र से जुड़े हम** :–विभागीय पत्रांक 681 दिनांक 30.04.2013 के आलोक में चलो आंगनबाड़ी केन्द्र से जुड़े हम अभियान को सफलतापूर्वक सम्पन्न कराने हेतु सभी बाल विकास परियोजना पदाधिकारी एवं महिला पर्यवेक्षिका को इस संबंध में विस्तृत रूप से कार्यक्रम की रूप रेखा एवं इसके कियान्वयन पर निदेशित किया गया। उन्हे दिनांक 17.01.2013 को सभी आंगनबाड़ी केन्द्रों में बच्चो की शत–प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित कराने का भी निदेश दिया गया।

9– **अन्यान्य** :– बताया गया कि आंगनबाड़ी केन्द्रों के जिर्णोद्धार/मरम्मति हेतु जिला परिषद् चतरा को 600000=00 छःलाख रूपये प्राप्त है।

इसके लिए सभी बाल विकास परियोजना पदाधिकारी को अपने–अपने क्षेत्राधीन 10–10 आंगनबाड़ी केन्द्रों की सूची जिला परिषद्, चतरा को उपलब्ध कराने का निदेश दिया गया ताकि उन केन्द्रों की मरम्मति हो सके।

इसके अतिरिक्त भवनहीन आंगनबाड़ी केन्द्रों के भवन निर्माण हेतु अभी से ही भूमि चिन्हित करने का भी निदेश दिया गया।

अन्त में धन्यवाद ज्ञापन के साथ बैठक की कार्यवाही समाप्त की गई।

14/5/13

जिला समाज कल्याण पदाधिकारी,
14.5.13 चतरा।

ज्ञापांक 224 /स0क0 दिनांक 15.5.13

प्रतिलिपि :– आयुक्त, उत्तरी छोटानागपुर प्रमण्डल, हजारीबाग को सूचनार्थ प्रेषित।
प्रतिलिपि :– निदेशक, समाज कल्याण, महिला एवं बाल विकास विभाग, झारखण्ड रांची को सूचनार्थ प्रेषित।
प्रतिलिपिः– उपायुक्त, चतरा को सूचनार्थ प्रेषित।
प्रतिलिपिः– सभी बाल विकास परियोजना पदाधिकारी,/महिला पर्यवेक्षिका को सूचनार्थ एवं अनुपालनार्थ प्रेषित।
प्रतिलिपिः– जिला सूचना विज्ञान पदाधिकारी, चतरा को सूचनार्थ एवं जिला के Website पर प्रकाशन हेतु प्रेषित।

14/5/13

जिला समाज कल्याण पदाधिकारी,
14.5.13 चतरा।

Mumtaz$ Proceding